आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक समाट

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों अलीगढ़ हाथरस ऐटा कासगंज बदायूं बुलंदशहर मथुरा आदि से प्रसारित व अलीगढ़ से प्रकाशित

बर्ष :13 अंक :485 पृष्ठ –4 दिनांक 22 मई 2025 दिन गुरूवार

यूपी के गाजीपुर में करंट की चपेट में आने से सिपाही समेत 4 की मौत, सीएम ने जताया दुःख, अखिलेश बोले- एक्शन ले सरकार

गाजीपुर जिले के मरदह क्षेत्र में बुधवार को करंट की चपेट में आने से चार लोगों की मौत

गाजीपुर जिले के मरदह क्षेत्र में बुधवार को करंट की चपेट में आने से चार लोगों की मौत हो गयी. पुलिस क्षेत्राधिकारी अनिल चंद्र तिवारी ने बताया कि मरदह थाना क्षेत्र के नरवर गांव में आज काशी दास बाबा की पूजा के कार्यक्रम की तैयारी के दौरान खम्भे गाड़े जा रहे थे. उन्होंने बताया कि इसी दौरान एक खम्भा ऊपर से गुजर रहे हाइटेंशन तार से छू गया और उसमें करंट आ गया.तिवारी ने बताया कि करंट लगने से सिपाही रविन्द्र यादव (28), उसके छोटे भाई अभय यादव (24) के अलावा छोटेलाल यादव (35) तथा अमन यादव (20) की भी मौके पर ही मृत्यु हो गई.उन्होंने बताया कि इस घटना में गम्भीर रूप से घायल अभोरिक यादव (15), संतोष यादव (35) और जीतेंद्र यादव (42) को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है. इस घटना पर एक ओर जहां मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने शोक जताया और अधिकारियों को निर्देश दिए तो वहीं समा. जवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है. सपा चीफ ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा– उप्र के गाजीपुर में हाइटेंशन लाइन से करंट लगने के कारण 4 लोगों की मौत और अन्य कई लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना दुखद है. सरकार और बिजली विभाग इसके लिए एक–दूसरे को जिम्मेदार न ठहराये बल्कि जाँच बिठाये, इन मौतों के लिए उत्तरदायी लोगों को बर्खास्त करे और मृतकों–घायलों को मुआवजा दे. साथ ही सरकार बार–बार बिजली जाने और 24 घंटे बिजली न आने के ख़िलाफ हो रहे धरना–प्रदर्शन का संज्ञान ले. यदि इस सरकार ने बिजली उत्पादन का नया प्लांट लगाया होता या पूर्व में सपा सरकार में बने बिजली घरों को ठीक नेसे चलाया होता और उत्पादन बढ़ाया होता तो प्रदेश की ऐसी बदहाली न होती. सोलर प्लांट की सुध न जाने भा. जपा सरकार को कब आयेगी.उधर, मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जानकारी दी गई कि सीएम ने जनपद गाजीपुर में करंट लगने के हादसे में हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त किया है. उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है. मुख्यमंत्री ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं. साथ ही, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है.इन सबके बीच राज्य के उर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने कहा कि इस मामले में कार. ाई की जाएगी. उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि गाजीपुर जिले के मरदह थाना अंतर्गत नरवर गांव में एक धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन के समय हरा बांस गाड़ने और उसके ऊपर से जा रही हाई टेंशन लाइन से बांस में बिजली उतर जाने के कारण कुछ लोगों की मृत्यु और कुछ लोगों के घायल होने का समाचार अत्यंत दुःखद है. ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति दें, परिजनों को संबल दें और घायलों को शीघ्र स्वस्थ करें. मंत्री ने लिखा कि घटना की जानक. ारी मिलते ही हमने एमडी पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम, जिलाधिकारी गाजीपुर, जिलाधिकारी मऊ तथा एमडी विद्युत उत्पादन निगम से बात किया और प्रभावित लोगों को हर संभव मदद करने का आग्रह किया. घटना की विस्तृत जांच करके आवश्यक कार्यवाही की जाएगी.

उधम सिंह नगर जनपद पुलिस की बड़ी . कार्रवाई, कार की डिग्गी से बरामद किए . 47 किलो गांजा, 2 आरोपी गिरफ्तार

उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जनपद की पुलिस को अवैध नशे के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई है. एसएसपी मणिकांत मिश्रा के निर्देश पर एएनटीएफ और रुद्रपुर कोतवाली पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए 47.570 किलों गांजा के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. जबकि एक अन्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयास कर रही है.उधम सिंह नगर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा के निर्देश पर एएनटीएफ प्रभारी राजेश पांडे और रुद्रपुर कोतवाल मनोज रतूड़ी के नेतृत्व में एनक्लेव भूरारानी के पास चेकिंग अभियान चला रही थी. इसी दौरान पुलिस ने एचआर 51 ।च 3478 को रोककर चेकिंग की, तो कार की डिग्गी से 47.570 किला. `ग्राम गांजा बरामद किया. पुलिस ने कार में सवार दीपांकर विश्वास पुत्र दिलीप विश्वास निवासी रविंद्र नगर, रुद्रपुर और घनश्याम पुत्र हेत लाल निवासी थाना हथीन, जिला पलवल को गिरफ्तार कर लिया. जबकि तीसरे आरोपी रमेश साहनी उर्फ पेंटर निवासी भूरारानी रुद्रपुर को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस दबिश दे रही है.पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी दीपांकर विश्वास और घनश्याम ने बताया कि गांजा लेने के लिए हम तीनों लोग 14 मई को घनश्याम की कार संख्या एचआर 51 ।च 3478 से रुद्रपुर से छत्तीसगढ़ गए थे. 17 मई को गांजा लेकर उड़ीसा से रुद्रपुर के लिए निकले तथा 20 मई को रुद्रपुर पहुंचे थे. रमेश साहनी उर्फ पेंटर ग्राहक लेने के लिए गया था, हम भी ट्रांजिट कैंप जा रहे थे, तभी पुलिस ने खुशी एनक्लेव पर पकड़ लिया. हम गांजे को सस्ते रेट पर खरीद के रुद्रपुर में महंगे दामों में सप्लाई करते थे. गांजा खरीदने के लिए रमेश साहनी उर्फ पेंटर का पैसा लगता था.उड़ीसा से रुद्रपुर तक गांजा की तस्करी के करने के लिए घनश्याम वकील की ड्रेस पहनकर बैठ जाता था. जिसके कारण कोई भी गाड़ी पर शक नहीं करता था, इसका लाभ उठाकर आसानी से गांजे की तस्करी करता था. एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि धनश्याम फर्जी वकील बनकर गांजे की तस्करी कर उत्तराखंड लाता था. और यहां से उधम सिंह नगर जिले में महंगे दामों में सप्लाई करता था. एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि जिले में अवैध नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस एवं एएनटीएफ की टीम को आदेश दिए गए. इसी क्रम में एएनटीएफ और रुद्रपुर कोतवाली ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए 47.570 किला. `ग्राम गांजे के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. जबकि तीसरे आरोपी की तलाश की जा रही है. उन्होंने कहा कि जिले में अवैध नशे के खिलाफ लगातार कड़ी कार्रवाई की जा रही है. आगे भी इसी तरह से कार्रवाई जारी रहेंगी.

यूपी में 1 लाख 93 हजार सरकारी टीचर्स की भर्ती का ऐलान गलत? अब सपा–कांग्रेस ने उठाए सवाल

उत्तर प्रदेश में शिक्षक भर्ती को लेकर राज्य सरकार के आधिकारिक एक्स अक. ाउंट से एक जानकारी शेयर की गई. जिसके अनुसार राज्य में मार्च तक प्रदेश में करीब दो लाख शिक्षकों की भर्ती होगी, हालांकि बाद में इस पोस्ट को डिलीट कर दिया गया. जिसके बाद इस भर्ती को लेकर कई तरह की खबरें सामने आ रही है. इस मामले को लेकर अब कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की भी प्रतिक्रिया सामने आई है.सपा प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने कहा कि बीजेपी के एजेंडे में नौकरी है नहीं, बीजेपी किसी को नौकरी नहीं देना चाहती है. पहले पीआर कंपनी से एक विज्ञापन निकलवा दिया जाता है, अखबारों में डेडलाइन दे दी जाती है कि लाखों नौ. करी निकलेंगी. फिर वह सरकार द्वारा उसे ट्वीट किया जाता है, फिर उस पोस्ट को डिलीट कर दिया जाता है. क्योंकि भाजपा के एजेंडे में नौकरी है ही नहीं. 69000 शिक्षक भर्ती में जिन लोगों को नौकरी मिली उनके साथ भी नाइंसाफी हुई, आज जिस तरह से नौकरी के पोस्ट को शेयर किया गया फिर उसे डिलीट कर दिया गया जो ये दिखाता है कि बीजेपी के एजेंडे में न नौजवान हैं न नौकरी है.

35 से ज्यादा जिलों में बारिश के साथ बिजली गिरने का IMD अलर्ट, जानें अपने शहर का मिजाज

उत्तर प्रदेश में मौसम का मिजाज लगातार बदलता नजर आ रहा है।. मौसम विभाग ने बुधवार, 21 मई को राज्य के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों के कई जिलों में बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है. वहीं दूसरी ओर, कुछ जिलों में तेज धूप लोगों को बेहाल करेगी. मौसम का यह सिलसिला कई दिनों तक देखा जा सकता है. हालांकि, इस दौरान तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं जताई गई है.35 से ज्यादा जिलों में बारिश की आशंकालखनऊ स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने अगले 25 तारीख तक यूपी में मौसम बदलने की संभावना जताई है. इसी सिलसिले में आज 21 मई को (UP मंजीमत Today) प्रदेश के कई हिस्सों में आकाशीय बिजली गिरने के साथ भारी बारिश का पूर्वानुमान है. नोएडा, गाजियाबाद, राजधानी लखनऊ से लेकर पूर्वी हिस्से गोरखपुर तक 35 जिलों से ज्यादा हिस्सों में तगड़ी बारिश होगी. इस दौरान हवाओं की रफ्तार 40 से 50 किमीध्घंटे की रहने वाली इन जिलों में होगी बारिशमौसम विभाग के अनुसार, लखनऊ (स्नबादवूॅ मंजीमत), बाराबंकी ,गोंडा, बहराइच,बस्ती, कुशीनगर, गोरखपुर, महराजगंज, मेरठ, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, प्रयागराज, मिर्जापुर, सोनभद्र, पीलीभीत, हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, संतकबीरनगर, गाजियाबाद, नोएडा, हापुड़, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, श्रावस्ती, बहराइच, हाथरथ, एटा, मैनपुरी, इटावा, रामपुर और बरेली के आसपास इलाकों में मेघगर्जन के साथ वज्रपात की संभावना है.25 मई तक बारिश के आसारमौसम वैज्ञानिक के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर की तरफ से आ रही नमी की वजह से यूपी के मौसम में भारी बदलाव देखने को मिल रहा है. यही वजह है कि 25 तारीख तक प्रदेश के कई जिलों में बारिश की संभावना जताई गई है.

मुरादाबाद में बढ़ा तेंदुए का आंतक, 10 घंटे चले अभियान के बाद वन विभाग ने पाया काबू

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में खौफ का पर्याय बन चुके एक तेंदुए को वन विभाग और पुलिस की टीमों ने लगभग 10 घंटे चले अभियान के बाद पिंजरे में कैद कर लिया जिसे देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गयी. मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा तहसील का जंगल उत्तराखंड के जंगलों से सटा हुआ है. जहां गर्मी के मौसम में नेशनल जिम कॉर्बेट पार्क के वनों से निकलकर तेंदुए शिकार और पानी की तलाश में ठाकुरद्वारा के जंगलों में आ जाते हैं. पिछले एक महीने से लगातार जंगलों में तेंदुओं का आतंक बना हुआ है. ये तेंदुए कई किसानों पर हमला भी कर चुके हैं. आज भी जब ग्रामीणों ने खवासपुर धनतला गांव में एक पुलिया के अंदर तेंदुए को छिपा हुआ देखा तो वह डर गए, जिसके बाद पुलिस और वन विभाग को सूचना दी गई. पुलिस और वन विभाग की टीमों ने फायर ब्रिगेड को बुलाया और जाल लगा कर पुलिया के अंदर पानी डाला लेकिन तेंदुआ बाहर नहीं निकला. इसके बाद पि. ंजरा मंगवाया गया और उसमे एक बकरे को बंद कर पुलिया के पास रखा ताकि शिकार के लालच में तेंदुआ पिंजरे में आ जाये लेकिन तेंदुआ फिर भी बाहर नहीं आया.इसके बाद एक प्रेशर मशीन से पानी की धार तेंदुए के मुंह पर डाली गई तो तेंदुआ बाहर निकला और उसे पिंजरे में बंद कर लिया गया. बकरे को पिंजरे से निकाल लिया गया और तेंदुए को वन विभाग वाले अपने साथ ले गये इस दौरान ग्रामीणों की काफी भीड़ जमा हो गई और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली. ग्रामीण तेंद. ुओं के डर से अपने खेतों पर भी नहीं जा रहे हैं. पिछले बीस दिन के भीतर हुए हमले में अब तक पांच लोग घायल हो चुके हैं. 6 दिन पहले आलमगीरपुर गांव में किसान सुखलाल पर तेंदुए ने हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था. ग्रामीणों ने लाठी–डंडों से किसान को बचाया और सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने पांच घंटे के अभियान के बाद तेंदुए को पिंजरे में कैद कर लिया था और आज फिर एक तेंदुए को वन विभाग की टीम ने पिंजरे में कैद किया. करीब 20 दिन पहले कल्याणपुर में खेतों में काम कर रहे किसानों पर तेंदुए ने हमला कर महिला सहित चार लोगों को घायल कर दिया था. उस समय वन विभाग ने तेंदुए को पकड़ने के लिए वहां पर पिंजरा लगाया था, लेकिन तेंदुआ ग्रामीणों को और वन विभाग को चकमा देकर वहां से चला गया था. मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा और कांठ तहसील के जंगलों में सबसे अधिक तेंदुए आतंक मचा रहे हैं. तेंदुओं के हमलों से किसानों में खौफ है और वह अपने खेतों पर भी नहीं जा पा रहे हैं. वन विभाग के अधिकारियों ने किसानों को सलाह दी है कि वह खेतों पर अकेले न जाएं. खेतों पर इकट्ठे होकर जाएं और शोर मचाते हुए जाएं ताकि तेंदुआ आवाजे सुन कर भाग जाए और किसी पर हमला न करे. अगर कहीं तेंदुआ दिखाई देता है और उसकी सूचना तत्काल दें ताकि समय से तेंदुए को पकड़ा जा सके. ग्रामीणों का कहना है की एक हफ्ते में दो तेंदुए तो पकड़े जा चुके हैं, लेकिन अभी भी जंगलों में कई और तेंदुए हैं जिसकी वजह से खतरा बना हुआ है.

यूपी में इस जिले के लोगों ने सीएम योगी को भेजे सैकड़ों पोस्टकार्ड, वजह कर देगी हैरान

संभल जिले में तिरंगा मार्केट के व्यापारियों ने जिला मुख्यालय को संभल शहर में स्थापित करने की मांग को लेकर अनूठा प्रदर्शन किया. व्यापारियों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित करते हुए 100 पोस्टकार्ड लिखे, जिसमें संभल को जिला मुख्यालय बनाने की मांग की गई. यह प्रदर्शन नोमान प्रधान की अध्यक्षता और दुर्वेश सैनी के संचालन में संपन्न हुआ. व्यापारियों ने संकल्प लिया कि जब तक संभल को जिला मुख्यालय का दर्जा नहीं मिलता, उनका आंदोलन जारी रहेगा.हाजी मोहम्मद हबीब ने बताया कि संभल उत्तर प्रदेश की सबसे प्राचीन और बड़ी तहसीलों में से एक है. यहां पहले से ही एएसपी और एडीएम के पद मौजूद हैं, फिर भी जिला मुख्यालय की सुविधाएं नहीं मिलने से स्थानीय लोग ठगा महसूस कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि 2011 में तत्क. ालीन मुख्यमंत्री मायावती ने संभल को जिला घोषित किया था, लेकिन मुख्यालय बहजोई में बनाया गया, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी है. व्यापारियों का कहना है कि संभल को जिला मुख्यालय बनाना शहर का हक है, और वे इस मांग को पूरा होने तक चौन से नहीं बैठेंगे.प्रदर्शन में रवि शंकर लाठे, मोहम्मद आजम, मोहम्मद आबिद हुसैन सहित कई व्यापारियों ने हिस्सा लिया. सभी ने दुकानों पर जाकर व्यापारियों से पोस्टकार्ड लिखवाए, जिनमें मुख्यमंत्री से संभल को जिला मुख्यालय बनाने का आग्रह किया गया. व्यापारियों ने कहा कि जिला मुख्यालय बनने से प्रशास. निक सुविधाएं बेहतर होंगी, स्थानीय विकास को गति मिलेगी और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी.यह आंदोलन संभल की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्ता को रेखांकित करता है. व्यापारियों ने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग को शासन तक पहुंचाने का प्रयास किया है. अब देखना होगा कि सरकार इस मांग पर क्या निर्णय लेती है. जब संभल को जिला बनाया गया था तब भी मुख्यालय को लेकर आन्दोलन महीनों चला था. बाद में चंदौसी और संभल में स्थिति को देखते हुए बहजोई में मुख्यालय बनाया गया.

हाथरस में मैक्स गाड़ी असंतुलित होकर पलटी युवक की मौत, चार अन्य घायल पुलिस कर रही मामले की जांच

जिला अस्पताल में रोजाना 100 बच्चे पहुंच रहे इलाज के लिए, प्राइवेट अस्पतालों में भी मरीजों की भरमार

हाथरस में भी गर्मी का प्रकोप बढ़ रहा है और जिला अस्पताल की ओपीडी में प्रतिदिन लगभग 150 मरीज त्वचा संबंधी बीमारियों के इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। गर्मी और पसीने के कारण फंगल इंफेक्शन के मामले बढ़ रहे हैं।शरीर के जिन हिस्सों में पसीना अधिक आता है, जैसे बगल, जांघ और छाती में संक्रमण ज्यादा हो रहा है।मरीजों में दाद, खाज, खुजली, त्वचा पर चकत्ते और दाने जैसे लक्षण दिख रहे हैं। सरकारी के अलावा प्राइवेट अस्पतालों में भी त्वचा संबंधी बीमारियों के मरीज काफी संख्या में पहुंच रहे हैं।तेज धूप में निकलने से बचें जिला अस्पताल की चि. कत्सक डॉक्टर सुमन सिरोही ने कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। उन्होंने कहा कि रोजाना ताजे पानी से स्नान करें और नहाने के पानी में एंटीसेप्टिक डालें। डॉक्टर सिरोही ने कपड़ों की सफाई पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी है। कपड़ों को धूप में अच्छी तरह सुखाएं। रोजाना अंडर गारमेंट्स बदलें।संक्रमित व्यक्ति के कपड़े अलग धोएं। टाइट कपड़े और जींस पहनने से बचें। फुल आस्तीन के कपड़े

पहनें। तेज धूप से बचें। अगर बाहर जाना जरूरी हो तो चेहरा ढककर रखें। तेज मसालेदार और तले–भुने भोजन से परहेज करें। पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं ताकि शरीर में पानी की कमी न हो।

हाथरस में बढ़ती गर्मी से बच्चों का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। जिला अस्पताल के ओपीडी और महिला अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड में रोजाना करीब 100 बच्चे डायरिया के इलाज के लिए आ रहे हैं। निजी अस्पतालों में भी मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है।सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाएं चल रही हैं। इसका प्रभाव विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों पर दिख रहा है। गर्मी और दूषित खान–पान के कारण बच्चे उल्टी, दस्त और पेट दर्द से पीड़ित हैं। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. शुभम के अनुसार, डायरिया के मुख्य कारणों में दूषित भोजन, इन्फेक्शन, दवाओं का साइड इफेक्ट और फूड प्वाइजनिंग हैं। मरीजों में पेट दर्द, पतले दस्त, बुखार और उल्टी के लक्षण दिखाई दे रहे हैं।डॉक्टरों ने स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए कुछ सुझाव दिए हैं। उबला हुआ पानी पीएं। बाहर का या बासी खाना न खाएं। मौसमी फल और सब्जियों का सेवन करें। तरल पदार्थों का अधिक सेवन करें। साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखें। डॉ. शुभम ने अभिभावकों से बच्चों को गर्मी से बचाने और दूषित खाने से दूर रखने की अपील की है।

बुधवार की सुबह सासनी में अचानक हुई बारिश ने लोगों को गर्मी से कुछ देर के लिए राहत

बुधवार की सुबह सासनी में अचानक हुई बारिश ने लोगों को गर्मी से कुछ देर के लिए राहत दी। पिछले दो दिनों से भीषण गर्मी के कारण लोग घरों से बाहर निकलने से कतरा रहे थे।सुबह की बारिश से मौसम सुहावना हो गया। लेकिन यह राहत ज्यादा देर तक नहीं रही। धूप निकलते ही वातावरण में उमस बढ़ने लगी। इससे ला. गों की परेशानी दोगुनी हो गई। उमस के कारण लोगों का पसीने से बुरा हाल है।वर्तमान में लोग सिर्फ जरूरी कामों के लिए ही घर से बाहर निकल रहे हैं। मौसम की इस स्थिति ने आम जनजीवन को प्रभावित किया है।

हाथरस में पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार पर बड़ी कार्रवाही

हाथरस में पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार पर बड़ी कार्रवाही की है। थाना सासनी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 30 क्वार्टर अवैध देशी शराब बरामद हुई है।पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाही की गई। अपर पुलिस अधीक्षक हाथरस के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी नगर की निगरानी में टीम ने आरोपी को पकड़ा।गिरफ्तार आरोपी की पहचान डाल. चंद्र के रूप में हुई है। वह मढैया नगला जहरू का रहने वाला है। उसके खिलाफ थाना सासनी में आबकारी अधिनियम की धारा 60 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

हाथरस भगदड़ मामले में चार्ज फ्रेम पर बहस न्यायालय में अब अगली सुनवाई 4 जून को, 121 लोगों की हुई थी मौत

हाथरस के मुगलगढ़ी में पिछले साल 2 जुलाई को हुए भगदड़ मामले में शुक्रवार को अपर जिला न्यायाधीश प्रथम महेंद्र श्रीवास्तव की कोर्ट में सुनवाई हुई। न्यायालय में आरोपियों पर चार्ज फ्रेम को लेकर आंशिक बहस हुई। यह भगदड़ भोले बाबा के सत्संग के बाद सिकंद्राराऊ के मुगलगढ़ी में हुई थी। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक इस भगदड़ में 121 लोगों की मौत हुई थी।इस हादसे में 150 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। पुलिस ने मामले में देव प्रकाश मधुकर समेत 11 लोगों को आरोपी बनाया है। मामले में एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि भोले बाबा का नाम न तो मुकदमे में दर्ज किया गया और न ही चा. र्जशीट में शामिल किया गया है। आरोपियों की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वकील एपी सिंह ने पैरवी की। हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसाअधिवक्ता एपी सिंह ने कहा कि उन्हें न्यायालय पर पूरा भरोसा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस घटना को एक साजिश के तहत अंजाम दिया गया था और पुलिस की चा. र्जशीट झूठ का पुलिंदा है। न्यायालय ने अगली सुनवाई की तारीख 4 जून तय की है।

हाथरस में वकील एपी सिंह बोले– वह भारत की बहू है, उसने इस्लाम त्याग कर सनातन अपनाया

हाथरस में सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट एपी सिंह ने सीमा हैदर के बारे में कहा है कि सीमा हैदर अब सीमा मीणा है। वह सचिन मीणा की पत्नी हैं। वह उत्तर प्रदेश और भारत की बहू हैं। एपी सिंह ने बताया कि सीमा ने इस्लाम छोड़कर सनातन धर्म को अपनाया है। वह भारत में जन्मी अपनी बेटी की मां हैं और उसकी बेटी को जन्म प्रमाण पत्र भी मिल चुका है।उसकी बेटी का आधार कार्ड भी बन चुका है। उसने सनातनी परंपरा के अनुसार एक भारतीय से शादी की है। इसलिए सीमा पूरी तरह से भारतीय है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद गृह मंत्रालय ने सभी पाकिस्. तानी नागरिकों को वापस भेजने का निर्देश दिया था। लेकिन सीमा पाकिस्तान नहीं गई क्योंकि वह भारत की बहू हैं। एपी सिंह ने इसके लिए गृहमंत्री और राष्ट्रपति का आभार व्यक्त किया।आजी वन भाई के रूप में निभाएंगे अपना फर्जउन्होंने बताया कि सीमा को उन्होंने अपनी बहन बनाया है। वह भाई के रूप में अपना फर्ज आ. जीवन निभाएंगे। उन्होंने कहा कि पूरा देश सीमा के साथ है। सीमा ने यह भी बताया था कि किस तरह से पाकिस्तान में बच्चों को आतंकवादी बनाया जाता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में सीमा को लेकर सोशल मीडिया पर उल्टे–सीधे कमेंट और वीडियो वायरल किए जाते हैं।

सादाबाद में बीईओ ने स्वजातीय शिक्षकों की बैठक बुलाई

हाथरस के सहपऊ ब्लॉक की तत्कालीन खंड शिक्षा अधिकारी पूनम चौधरी को निलंबित कर दिया गया है। उन पर स्कूल समय में बिना अनुमति स्वजातीय शिक्षकों की बैठक करने का आरोप है।जिला पंचायत अध्यक्ष सीमा रामवीर उपाध्याय ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर शिकायत की थी। शिकायत में बताया गया कि बीईओ ने सादाबाद–सलेमपुर मार्ग स्थित आरएस गार्डन में स्वजातीय शिक्षकों और शिक्षा मित्रों की गोपनीय बैठक बुलाई थी। इस बैठक में सरकार के विरुद्ध भड़काने का काम किया जा रहा था।जिला पंचायत अध्यक्ष की सूचना पर जिलाधिकारी के आदेश से उपजिलाधिकारी और तहस. ीलदार सादाबाद ने छापा मारा। छापे के दौरान वहां मौजूद शिक्षक और शिक्षा मित्र भाग गए।जांच में यह कृत्य उत्तर प्रदेश सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली के खिलाफ पाया गया। पूनम चौधरी को अमर्यादित आचरण और पदीय दायित्वों के निर्वहन में स्वेच्छाचारिता का दोषी पाया गया। मामले की जांच के लिए मंडलीय उप शिक्षा निदेशक मुरादाबाद को नियुक्त किया गया है।निलंबन अवधि में पूनम चौधरी को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, हाथरस से संबद्ध किया गया है। इस दौरान उन्हें नियमानुसार अर्ध वेतन के बराबर जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा।

वृंदावन के लिए हा. थरस डिपो शुरू करेगा बस सेवा

हाथरस से सिकंदराराऊ होते हुए कासगंज के लिए संचालित की जाएगी। वहां से यह बस हाथरस होते हुए वृंदावन के लिए रवाना होगी। वृंदावन से फिर हाथरस होते हुए कासगंज पहुंचेगी।परिवहन निगम की ओर से हर एक मार्ग पर बसों का संचालन किए जाने की कवायद की जा रही है। इसी क्रम में हाथरस डिपो द्वारा एक बस का संचालन हाथरस से कासगंज व वृंदावन के लिए किया जाएगा। इसके लिए परिवहन निगम से डिपो को स्वीकृति मिल चुकी है। हाथरस डिपो को शासन स्तर से पांच नई बसें मिली हैं। अब हाथरस डिपो के पास कुल 90 बसें हैं। इन बसों को नए मार्गों पर संचालित किया जा रहा है। हा. थरस डिपो की बस अब हाथरस से सिकंद. राराऊ होते हुए कासगंज के लिए संचालित की जाएगी। वहां से यह बस हाथरस होते हुए वृंदावन के लिए रवाना होगी। वृंदावन से फिर हाथरस होते हुए कासगंज पहुंच. `गी। एआरएम इरफान अहमद ने बताया कि बस के संचालन के लिए समय सारिणी तैयार की जा रही है।

हाथरस में ठगी पीड़ित निवेशकों ने कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया

हाथरस में ठगी पीड़ित निवेशकों ने कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। इसका नेतृत्व तो सूरज पाल सिंह राघव ने किया। प्रदर्शनकारियों ने डीएम कार्यालय पर अधिकारियों ज्ञापन सौंपा। इसमें बड्स एक्ट–2019 का अनुपालन कराने की मांग की गई। साथ ही यह मांग भी की गई कि अभी तक ठगी के शिकार हुए निवेशकों का पैसा वापस नहीं दिलाया गया है। इसलिएप्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से इस्तीफा दें। तमाम कंपनियों ने करोड़ों लोगों को ठगी का शिकार बनाया और अभी तक पीड़ितों का पैसा वापस नहीं हुआ है।राष्ट्रपति और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को ज्ञापन भेजा गया। इसमें बड्स एक्ट के तहत गरीब नि. वेशकों का भुगतान कराने की मांग की गई।ये सभी रहे मौजूदशचलो विजय दिवस की ओरश कार्यक्रम में काफी लोग शामिल थे । इनमें राजेंद्र सिंह राना, डॉक्टर यादव सिंह, डॉक्टर प्रभू दयाल, अजय नागर, अनिल कुमार सारस्वत प्रमुख थे। नरेंद्र सिंह चौधरी, एम एल चौहान, रामेश्वर सिंह चौधरी और महीपाल सिंह भी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी संजीव रंजन ने वीएचएनडी टीकाकरण सत्र का किया निरीक्षण

अलीगढ़ जिले में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे वीएचएनडी टीकाकरण सत्रों की गुणवत्ता का आकलन करते हुए जिलाधिकारी संजीव रंजन ने बुधवार को ग्राम तलासपुर कला में आयोजित सत्र का स्थलीय निरीक्षण किया।जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण, परिवार नियोजन एवं मौसमी बीमारियों से संबंधित स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी प्राप्त की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि बच्चों और गर्भवती महिलाओं को समय से सभी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने एएनएम, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया कि कोई भी पात्र लाभार्थी सेवाओं से वंचित न रहे और किसी प्रकार की लापरवाही न हो।

स्वास्थ्य संवाद एवं आवश्यक दवाओं की उपलब्धता का लिया जायजा जिलाधिकारी ने लाभार्थियों एवं स्वास्थ्य कर्मियों से सीधा संवाद स्थापित कर सेवाओं की प्रभावशीलता जानी। निरीक्षण के दौरान आयरन, जिंक, कैल्शियम, पेरासिटामोल, विटमिन ए सिरप एवं ओआरएस के पैकेट उपलब्ध पाए गए। हालांकि इन्फैंटोमीटर की अनुपलब्धता पर उन्होंने नाराजगी जताई और शीघ्र आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।ड्यू लिस्ट में 39 बच्चे, 10 बच्चे उपस्थित

एएनएम लक्ष्मी द्वारा अवगत कराया गया कि कुल 39 बच्चों की ड्यू लिस्ट है, जिनमें से शिवम, लव, रजनी, रोहित, रोशनी, जय लक्ष्मी, अमिका, अभय एवं मोहिनी सहित 10 बच्चे अपने अभिभावकों के साथ टीक.ाकरण हेतु उपस्थित थे। केंद्र पर निरंतर अभिभावक बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को ले आ रहे थे। टीकाकरण के उपरांत सभी को कार्ड उपलब्ध कराए जा रहे थे।टीक.ाकरण कार्ड पर लगाए गए टीकों का अंकन भी पाया गया। वैक्सीन कैरियर में आईस पैक सही थे। सीडीओ ने गर्भवती महिलाओं एवं माताओं को संतुलित आहार व पोषण के संबंध में सुझाव देते हुए सभी नागरिकों से अपील की कि वे स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित सेवाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी प्रखर कुमार सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नीरज त्यागी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राहुल एवं सहायक निदेशक सूचना संदीप कुमार भी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु दिए आवश्यक निर्देश

अलीगढ रू आयुक्त, अलीगढ़ मंडल, अलीगढ़ संगीता सिंह ने बुधवार को कमिश्नरी सभागार में एक सराहनीय पहल के अंतर्गत ऐसे ग्राम प्रधानों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया, जिन्होंने अपने ग्राम पंचायत में 70 प्लस आयु के समस्त ग्रामवासियों के आयुष्मान भारतरू स्वास्थ्य कार्ड बनवाने में उल्लेखनीय योगदान दिया।इस अवसर पर मण्डलायुक्त ने कहा कि यह कार्य न केवल जनकल्याण की दिशा में एक सशक्त कदम है, बल्कि अन्य ग्राम प्रधानों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने उपस्थित प्रधानों को अन्य योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए भी प्रेरित किया और कहा कि शासन की मंशा है कि अंतिम व्यक्ति तक हर योजना का लाभ पहुँचेअपर निदेशक स्वास्थ्य डा0 राजेश कटियार ने बताया कि अलीगढ़ जिले के विकासखण्ड गोंडा में 407 आयुष्मान कार्ड बनाकर 07 ग्राम पंचायतों–हरौथा, बसई, माफी, लखटोई, शाहपुर, इकताजपुर, तलेसरा एवं एटा जिले के विकासखण्ड जलेसर में 2249 आयुष्मान कार्ड बनाकर 58 ग्राम पंचायतों को संतृप्त कर दिया गया।कार्यक्रम में अपर आयुक्त अरुण कुमार, सीएमओ डॉ0 नीरज त्यागी, संयुक्त विकास आयुक्त मंशाराम यादव एवं ग्राम प्रधान, चिकित्सक व सीएचओ उप. स्थित रहे।

तहसील खैर में मत्स्य पालन पट्टा आवंटन 27 मई को

अलीगढ़ उप जिलाधिकारी खैर महिमा राजपूत ने विज्ञप्ति के माध्यम से सर्व साधारण को बताया है कि तहसील खैर के 68 ग्रामों के तालाबों को मत्स्य पालन के लिए आगामी 10 वर्षों के लिये पट्टा शि. विर का आयोजन 27 मई 2025 एवं लक्ष्य पूर्ति तक प्रत्येक माह के प्रथम मंगलवार को प्रातः 11 बजे से तहसील सभा कक्ष में तहसीलदार खैर की अध्यक्षता में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पट्टा आवंटन 2500–5000 रूपये प्रति हेक्टेयर की दर से किया जाएगा एवं 2 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल के तालाबध्धोखर पंजीकृत मत्स्य जीवी सहकारी समितियों को 10 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर की दर से आवंटित किये जाएंगे।उन्होंने बताया तहसील के ग्राम एदलपुर, खंडेहा, खेड़ा, खेड़ा किशन, नगला कला, गढ़ी उर्फ नगला श्यौराम, गनेशपुर, जैदपुरा, तेहरा, धर्मपुर, गौरोला, राजपुर, फतेहगढ़ी, मौर, बिरौला, मानौली, भारेरी, मानुपर, मीरपुर दहौडा, लक्ष्मणगढ़ी, शिवाला, समापुर, सुजानपुर, सोतीपुरा, हेतलपुर, सोफा, अटारी, छजपुर, जहानगढ़, दमुआका, पैमपुर, बिजपुरी, मढ़ा हबीबपुर, बामौती, कसीसो, कादिरपुर कारह, कीलपुर, जान्हेरा, उसरह रसूलपुर, नायल, कीरतपुर, नगौला, चौबाना, जट्टारी, पलाचांद, बझेड़ा चण्डौस, बांकनेरा, बूढ़ाका, भोगपुर, भोजाका, निवसाना, रायपुर, वैना, सजना, सलेमपुर, स्यारौल, हरसुख की नगलिया, बामोती, भदियार, गोंदोली चण्डौस, जलाल. पुर, निसूजा, पलसेड़ा, बसेरा, भरतपुर, विजना की नगरिया, एवं शादीपुर सहित कुल 68 ग्रामों के तालाबों को मत्स्य पालन के लिए आवंटित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इच्छुक पात्र व्यक्ति खसरा, खतौनी, जाति एवं आय प्रमाण पत्र के साथ 27 मई को आयोजित होने वाले शिविर के साथ ही लक्ष्य आपूर्ति तक प्रत्येक माह के प्रथम मंगलवार को प्रातः 11 बजे से 2 बजे तक तहसील कोल सभाकक्ष में अपना आवेदन कर सकते हैं। अपरान्ह 02 बजे के बाद कोई आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

नगर निगम सीमा के बाहर तक हो रहें बड़े नाले साफ–बारिश से पहले जल निकासी को प्रभावी बनाने के लिये नगर आयुक्त ने उठाया अहम कदम

अलीगढ़ में जल निकासी के प्रमुख स्त्रोत अलीगढ़ ड्रेन और जाफरी ड्रेन की इस बार सफाई का कार्य बड़ी पोकलेन मशीनों से नगरीय सीमा के बाहर लगभग 5–7 किला. `मीटर तक कराया जा रहा है पिछले दिनों दोनो ड्रेन का निरीक्षण करने के बाद नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने भी माना शहर के जल भराव को कम करने के लिये इन दोनो ड्रेन को मात्र नगर निगम सीमा तक ही साफ कराने से जल भराव की समस्या का समाधान नहीं होगा इसके लिये दोनों ड्रेन को नगरीय सीमा से लगभग 5 से 7 किलोमीटर आगे तक साफ कराने की जरूरत है ताकि बारिश में शहर का पानी बिना किसी रोक टोक के इन दोनों ड्रेन की मदद से शहर सीमा से बाहर जा सके। नगर आयुक्त के निर्देश पर नगर निगम के निर्माण विभाग, स्वास्थ्य विभाग व ठेकेदार रेडीकॉन कास्ट्रक्शन की मदद से अलीगढ़ ड्रेन व जाफरी ड्रेन को लगभग 5 से 7 किलोमीटर नगर निगम सीमा से बाहर तक साफ कराये जाने का कार्य भी युद्धस्तर पर हो रहा है।वही शहर के अंदर छोटे बड़े नाले–नालियों में बारिश के समय रो. कटोक आने के कारण जल निकासी के बाधित होने को देखते हुये नगर आयुक्त ने सभी अवर अभियन्ता और एसएफआई की जिम्मेदारी निर्धारित करते हुये जल भराव के परामपगत पाइंटों पर अभी से सभी पुलियों, कलवट, चौक पांइट, जॉली आदि की सूची तैयार कर सफाई कराये जाने के निर्देश दिये है।नाला सफाई की समीक्षा करते हुये नगर आयुक्त ने साफ कहा बा. रिश में जल भराव के समय कम से कम करना सभी की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिये अभी से अपने अपने क्षेत्रों में जल निकासी के लिये आवश्यक कदम उठाये अगर जल निकासी बाधित होने की वजह पुलिया, जॉली अथवा रोकटोक पायी गयी तो सम्बन्धित के विरूद्ध विभागीय कार्यवाही की जायेगी।नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने कहा इस बार नई रणनीति के तहत अलीगढ़ ड्रेन व जॉफरी ड्रेन सहित अन्य नालों की सफाई का कार्य कराया जा रहा है आने वाले मानसून में यदि यह रणनीति कारगार साबित होती है तो भविष्य में सभी नालों को इसी तरह साफ कराया जायेगा उन्होंने कहा इस बार बारिश में नगर निगम का प्रयास जल भराव के समय को कम से कम करने रहेगा

जिला समन्वयक समिति की बैठक सम्पन्न

अलीगढ़ जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार मेंएकीकृत बागवानी विकास मिशन (राष्ट्रीय बागवानी मिशन) के अंतर्गत जिला समन्वयक समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में प्री एवं पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट के अंतर्गत प्राप्त 05 कोल्ड स्टोर एवं 11 सोलर पैनल सथापना के प्रस्तावों पर चर्चा करते हुए उन्हें अनुमोदित किया गया।बैठक का उद्देश्य जिले में बागवानी क्षेत्र के समुचित विकास के लिए प्रस्तावित योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू करना और किसानों को उपज के उपरांत प्रबंधन की सुविधाएं उपलब्ध कराना रहा। जिला उद्यान अधिकारी शिवानी तौमर ने बताया कि सभी 16 प्रस्ताव यथा– 11 सोलर पैनल स्थापना एवं 05 कोल्ड स्टोर जिला स्तरीय समिति से अनुमोदन के उपरांत राज्य स्तरीय समिति को भेजे जाएंगे। बैठकमें परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण भाल चन्द त्रिपाठी, जिला विकास अधिकारी आलोक आर्या, उप निदेशक उद्यान बलजीत सिंह, जिला उद्यान अधिकारी शिवानी तोमर, सहायक विपणन अधिकारी भगवती प्रसाद, प्रशासनिक अधिकारी जिला पंचायत धर्मपाल सिंह, उप कृषि निदेशक

यशराज सिंह, कृषि विज्ञान केंद्र से डा0 नेत्रपाल मलिक, एफपीओ प्रतिनिधियों में अजय पाल सिंह भू–समृद्धि एफपीओ, संतोष कुमार सिंह बृज किसान प्रोड्यूसर कम्पनी लि० एफपीओ और राकेश कुमार ग्राम नवलपुर, इगलास ने भी बैठक में भाग लेते हुए महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए।

बहुप्रतीक्षित बाराद्वारी शॉपिंग कांप्लेक्स में दुकान लेने का होगा सपना सच–जल्द नगर निगम करेंगा दुकानों की नीलामी

शहरवासियों को मिलेगी बाराद्वारी शॉपिंग कांप्लेक्स में दुकानों की सौगात–दुकानों की नीलामी के लिए जल्द तैयार होगी नियम शर्ते(आरएफपी)स्मार्ट सिटी मिशन की बहु प्रतीक्षित परियोजना का नगर आयुक्त ने जाना हाल–नगर आयुक्त ने किया भौतिक सत्यापन– प्रोजेक्ट की लेटलतीफी पर कार्यदायी संस्था व ठेकेदार को नोटिस बाराद्वारी शॉपिंग कांप्लेक्सध्कार पार्किंग प्रोजेक्ट स्मार्ट सिटी मिशन की बनेंगी नजीर–दुकानों से अलीगढ़ के व्यापार को मिलेगी एक नई दिशाअलीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड की ₹ 49.89 करोड़ की बहुप्रतीक्षित परियोजना बाराद्वारी शॉपिंग कंपलेक्स व मल्टी लेवल कार पार्किंग प्रा. `जेक्ट लगभग पूर्ण होने की स्थिति में आ गया है। आने वाले कुछ समय में इस प्रा. `जेक्ट के फिनिशिंग कार्य के पूर्ण होते ही नगर निगम इस कॉम्प्लेक्स में आधुनिक सुख सुविधाओं से लैस 104 दुकानों की नीलामी की प्रक्रिया को जल्द शुरू करने जा रहा है।बुधवार को दोपहर में नगर आयुक्तध्सीईओ अलीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड प्रेम प्रकाश मीणा ने इस प्रोजेक्ट की जमीनी हकीकत को जानने के लिए वहाँ पहुँचकर भौतिक सत्यापन किया। प्रा. `जेक्ट कंप्लीट होने में लेट लतीफी को देखकर नगर आयुक्त ने नाराजगी जताई। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने कहा अलीगढ़वासियो के लिए यह प्रोजेक्ट ड्रीम प्रोजेक्ट है इस प्रोजेक्ट के पूर्ण होने की सभी शहरवासी बेसब्री से इंतजार कर रहे है लेकिन संबंधित ठेकेदार बार–बार एक्सटेंशन मांग कर इस प्रोजेक्ट को पूर्ण करने में देरी कर रहा है इस पर सख्त एक्शन लिया जायेगा। मौके पर चीफ इंजीनियर सुरेश चंद और डीजीएम अलीगढ़ स्मार्ट सिटी को संबंधित कार्यदायी संस्था सीएनडीएस और ठेकेदार ईको ग्रीन वर्ल्ड प्राइवेट लिमिटेड को नोटिस देने के निर्देश दिए।मुख्य अभियंता सुरेश चंद ने बताया कि अलीगढ़ स्मार्ट सिटी मिशन के तहत इस प्रोजेक्ट का काम अब लगभग पूर्ण होने की स्थिति में है इसके परिसर में ग्राउंड फ्लोर पर 55 और फर्स्ट फ्लोर पर 49 कल 104 आधुनिक सुविधाओं से लैस दुकाने है फिनिशिंग काम पूर्ण होने के उपरांत नगर निगम के हैंडोवर होने पर 104 दुकानों की नीलामी की कार्यवाही जल्द की जाएगी।नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने कहा स्मार्ट सिटी मिशन के तहत बाराहद्वारी शॉपिंग कंपलेक्स मल्टीलेवल कार पार्किंग शहर के लिए एक नजीर बनेगा आधुनिक सुख सुविधाओं और मल्टीलेवल कार पार्किंग सुख सुविधाओं से लैस 104 दुकानों से लोगों को अपने व्यापार को एक नई दिशा देने का भी अवसर मिलेगा।

वृद्ध की जमीन पर दबंग लोग बदमाशी के दम पर करना चाहते हैं कब्जा

अलीगढ़ थाना क्वार्सी क्षेत्र के अंतर्गत धौरॉ माफी में लगातार जमीनों पर कब्जा किया जा रहा है उत्तर प्रदेश योगी सरकार में भू माफियाओं के हौसले बुलंद हैं आए दिन जमीनों पर दबंग बदमाश किस्म के लोग कब्जा कर रहे हैं ताजा मामला धौरॉ माफी से सामने आया है गौरी शंकर पुत्र तुरसी ने एक प्रार्थना पत्र अपर जिलाधिकारी प्रशासन को देते हुए आरोप लगाते हुए बताया कुछ दबंग और लोग बदमाशी के दम पर मेरी जमीन पर अवैध कब्जा करना चाहते हैं बदमाश भूमाफियाओं ने मेरी जमीन पर पहुंचकर बाउंड्री तोड़कर नींव की खुदाई चालू कर दी है पुलिस से शिकायत करने पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है पूर्व भी कई बार शिकायत की गई है कार्रवाई न होने से आरोपियों के हौसले बुलंद हैं जो कि कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं महोदय जी लेखपाल से मेरी जमीन की नपत कराकर न्याय दिलाया जाए विरोध करने पर जान से मारने की धमकी मिल रही हैं वही अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए तहसीलदार कोल अलीगढ़ को जांच कर कार्रवाई के आदेश दिए हैं पीड़ित वृद्ध गौरी शंकर को आश्वासन दिया है जल्द ही भू माफिया बदमाशों के खिलाफ जांच कर कार्रवाई की जाएगी

जस्टिस यशवंत वर्मा केस में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कुछ अहम सवाल उठाए

जस्टिस यशवंत वर्मा केस में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कुछ अहम सवाल उठाए हैं। जांच कमिटी के संवैधानिक आधार और अब तक रिपोर्ट दर्ज नहीं होने को लेकर उनकी चिंताओं पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है क्योंकि मामला न्यायपालिका की विश्वसनीयता और पारदर्शिता से जुड़ा हुआ है।कमिटी की वैधतारू जस्टिस वर्मा के सरकारी आवास से बड़ी मात्रा में कथित तौर पर नकदी मिली थी। सुप्रीम कोर्ट ने घटना की जांच के लिए तीन जजों की आंतरिक कमिटी बनाई, जिसने आरोपों को विश्वसनीय माना है। लेकिन, उपराष्ट्रपति का यह कहना कि कमिटी की कोई संवैधानिक वैधता नहीं है – खुद इस जांच की विश्वसनीयता पर अंगुली उठा देना है। क्या कोई ऐसा तरीका निकाला जा सकता है, जिससे इन–हाउस इन्क्वॉयरी की प्रासंगिकता और संवैधानिक वैधता बनी रहे?वीरास्वामी केसरू उपराष्ट्रपति चाहते हैं कि 1991 के सुप्रीम कोर्ट के वीरास्वामी फैसले पर पुनर्विचार किया जाए। इस फैसले के मुताबिक ही सिटिंग जज के खिलाफ थ्प्ट के लिए ब्श्रप् की मंजूरी चाहिए होती है। यह व्यवस्था इसलिए है ताकि न्यायपालिका बिना किसी डर, दबाव या लालच के अपना कर्तव्य निभा सके।सरकार के पाले में गेंदरू सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के सिटिंग जज को बर्खास्त या सस्पेंड करने का अधिकार भी सुप्रीम कोर्ट कलीजियम के पास नहीं है। कलीजियम काम वापस ले सकता है, ट्रांसफर की सिफारिश कर सकता है और जांच समिति बना सकता है। इस केस में जस्टिस वर्मा का ट्रांसफर किया गया और कमिटी की रिपोर्ट सरकार व राष्ट्रपति के पास भेजकर महाभियोग की सिफारिश कर दी गई है। यहां से अब गेंद सरकार और संसद के पाले में है।

पहला मामलारू महाभियोग ही एकमात्र तरीका है, जिससे सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के मौजूदा जजों को हटाया जा सकता है। लेकिन, आजाद भारत के इतिहास में आज तक ऐसा नहीं हुआ। इसके पहले, भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे कलकत्ता हाई कोर्ट के न्यायाधीश सौमित्र सेन के खिलाफ महाभियोग चला था, लेकिन लोकसभा में वोटिंग से पहले ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया यानी वहां भी प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई थी।

जटिलता कम होरू भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में जस्टिस वर्मा केस एक दुर्लभ मौका है। इसकी वजह से न्यायपालिका की गरिमा को ठेस न पहुंचे और जनता का भरोसा बना रहे, इसके लिए पूर्व ब्श्रप् संजीव खन्ना ने मामले से जुड़ी जानकारियों को देश से साझा किया। साथ ही, उनकी पहल पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्यौरा भी सार्वजनिक किया। अब अगर यह मामला महाभियोग तक पहुंचता है, तो वहां भी एक लंबी प्रक्रिया चलेगी। विचार करने वाली बात यह है कि क्या न्यायपालिका की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण रखते हुए प्रक्रिया की जटिलता को कम किया जा सकता है?

मायावती के भतीजे आकाश आनंद को चीफ नैशनल कोऑर्डिनेटर बनाकर सबको चौंका दिया

मायावती के भतीजे आकाश आनंद को चीफ नैशनल कोऑर्डिनेटर बनाकर सबको चौंका दिया गया है, जिससे पार्टी के भीतर असमंजस है। आकाश की बार–बार वापसी और नया पद समर्थकों के मन में सवाल खड़े करते हैं।सुप्रीमो मायावती अपने फैसलों से सभी को चौंकाती रही हैं और भतीजे आकाश आनंद को पार्टी का चीफ नैशनल कोऑर्डिनेटर बनाकर उन्होंने एक बार फिर यही किया है। हालांकि सियासी मजबूरी में लिए गए इस निर्णय से पार्टी के भीतर का असमंजस और संकट भी सामने आ गया है।

समर्थकों में सवालरू पिछले एक साल के भीतर आकाश दो बार पद गंवा चुके हैं और दो बार उनकी वापसी हो चुकी है। उनकी हर वापसी पहले से ज्यादा दमदार रही। इस बार तो उनके लिए मायावती ने नया पद ही बना दिया। आकाश आनंद को लेकर पहले जैसा घमासान मचा था और अब जिस तरह से उनकी वापसी हुई है, उससे ठैच समर्थकों के मन में कई सवाल जरूर होंगे। विकल्प का अभावरू दलित राजनीति में मायावती आज भी बड़ा नाम हैं। लेकिन, यह भी सच्चाई है कि हर नेता का वक्त होता है और उसे समय रहते अपना उत्तराधिकारी तैयार करना पड़ता है। लगता है कि मायावती इसके लिए पूरी तरह से मन नहीं बना पा रही हैं। पार्टी का एकमात्र चेहरा वह खुद हैं। उनके बाद दूसरी कतार के ज्यादातर नेता पार्टी छोड़कर जा चुके हैं या निष्कासित कर दिए गए हैं। मायावती ने अपना कोई विकल्प कभी उभरने नहीं दिया। ऐसे में आकाश की वापसी के अलावा कोई रास्ता नहीं था।नई पीढ़ी से दूरीरू मायावती पार्टी को अपनी विशिष्ट शैली में चलाती हैं, समर्थकों से संवाद करने का उनका अपना तरीका है। हालांकि सोशल मीडिया के दौर में वोटर्स की जो नई पीढ़ी आई है, वह उस पुराने तरीके से शायद ठैच से कनेक्ट नहीं कर पा रही। उसने बहुजन आंदोलन के संघर्ष को नहीं देखा है। चुनावों को छोड़कर, बाकी वक्त में पार्टी सक्रिय विपक्ष की भूमिका में नहीं दिखती – न उसने पिछले काफी समय से कोई बड़ा आंदोलन किया है।गिरता वोट शेयररू कन्फ्यूजन में घिरी ठैच चुनावों में उतरती तो है, लेकिन अब टक्कर देती हुई नहीं दिखती। पिछले एक दशक में उसका वोट शेयर लगातार नीचे आया है। 2019 आम चुनाव में पार्टी ने जब समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन किया था, तब उसका वोट शेयर 19.2: था और 10 सीटें मिली थीं। 2024 में अकेले चुनाव लड़ने उतरी ठैच का वोट शेयर केवल 9.3: रह गया और खाता भी नहीं खुला। इसी तरह, 2022 के विधानसभा चुनाव में 12.8: वोट मिले थे।अस्तित्व की लड़ाईरू ठैच के वोटर पार्टी के प्रति समर्पित माने जाते हैं। लेकिन, आंकड़े बताते हैं कि यह कोर वोटबैंक भी मायावती से दूर जा रहा है और इसका फायदा मिल रहा है ठश्रच व समाजवादी पार्टी को। सदन से सड़क तक ठैच की मौजूदगी सिमटती गई है और 2027 का विधानसभा चुनाव उसके लिए अस्तित्व की लड़ाई है। इसके पहले उसे सारे कन्फ्यूजन दूर करने होंगे।

देशघात की हद तक जाती राजनीति, आतंकवाद से लड़ना कठिन ही होगा

राजीव सचान। पिछले दिनों एक पाकिस्तान टीवी चौनल का एंकर चीखते हुए कह रहा था, 'कितने भारतीय तैय्यारे (विमान) तबाह हुए? भारतीय अपोजीशन लीडर राहुल गांधी का मोदी सरकार से एक बार फिर सवाल३।' राहुल के इसी सवाल को अन्य पाकिस्तानी टीवी चौनलों ने जोर–शोर से उछाला। इसके लिए उन्होंने राहुल की उस एक्स पोस्ट को दिखाया, जिसमें उन्होंने विदेश मंत्री जयशंकर के वीडियो का महज 17 सेकेंड वाला एक हिस्सा नत्थी किया था।राहुल ने इस वीडियो बयान का यह मतलब निकाला कि विदेश मंत्री ने आतंकी अड्डों को निशाना बनाने के पहले ही पाकिस्तान को सूचना दे दी। इससे आतंकी भी भाग गए और सतर्क पाकिस्तानी सेना को भारतीय विमानों को निशाना बनाने में आसानी भी हुई। यद्यपि विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि विदेश मंत्री के कहने का वह आशय नहीं, जो निकाला जा रहा है, लेकिन राहुल मानने को तैयार नहीं हुए।वह अपनी बात पर अड़े रहे। इसके नतीजे में ही पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा, 'जयशंकर ने जो किया, उसे मुखबिरी करना कहते हैं।' पाकिस्तानी टीवी चौनलों ने पवन खेड़ा के इस बयान को भी लपकने में देर नहीं की।क्या कोई सहज–सामान्य बुद्धि वाला व्यक्ति यह सोच सकता है कि जो विदेश मंत्री राजनयिक रहा हो, वह ऐसी पूर्व सूचना दे सकता है–हेलो, हम आपके आतंकी अड्डों पर हमला करने जा रहे हैं। हमारे नेताओं ने कश्मीर, चीन पाकिस्तान प्रायोजित आतंक को लेकर पहले भी ऐसे बयान दिए हैं, जिन्हें इन देशों ने अपने पक्ष में भुनाया है। पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में भारत के खिलाफ पेश अपने डोजियर में राहुल गांधी के कश्मीर पर दिए गए बयान का उल्लेख कर चुका है।एक बार राहुल ने यह कह दिया था कि सेनाध्यक्ष ने यह मान लिया है कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर लिया है। उनके एक बयान को आतंकी पन्नू भी भुना चुका है। यह देखना दयनीय है कि पहलगाम हमले के बाद जो सर्वदलीय सहमति बनी थी, उसकी धज्जियां सी उड़ रही हैं। ऐसा राजनीतिक क्षुद्रता के कारण हो रहा है। कांग्रेस को इस पर भी आपत्ति है कि ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए जो सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया के कई देशों में जाने हैं, उनमें सरकार ने उसके नेता शशि थरूर को क्यों शामिल कर लिया। ममता बनर्जी ने भी कहा कि आखिर सरकार कौन होती है कि हमारे दल से कौन प्रतिनिधिमंडल में शामिल होगा? इस राजनीतिक क्षुद्रता का पूरा लाभ पाकिस्तान उठा रहा है।वहां के चौनलों में हमारे कई नेताओं के वे वीडियो चलाए जा रहे, जो भारत के खिलाफ उनके एजेंडे को धार देने में मददगार हैं। ऐसा लग रहा था कि पहलगाम की भयावह घटना के बाद देश की आंखें खुल जाएंगी और राजनीति के साथ समाज उस खतरे के प्रति पूरी तरह सावधान हो जाएगा, जो पाकिस्तान से भयावह रूप में उभर आया है। समाज तो एक हद तक चेतता दिख रहा, लेकिन राजनीतिक वर्ग का व्यवहार निराश करने वाला है। देशघात की हद तक जाने वाली सस्ती राजनीति पाकिस्तानी आतंकवाद से लड़ाई को कठिन ही बनाएगी।इन दिनों भारतीय राजनीति में जो कुछ हो रहा है, उससे पाकिस्तान, चीन और अन्य भारत विरोधी ताकतें खुश हो रही हों तो हैरानी नहीं। जब बड़े नेता क्षुद्रता दिखा रहे हों तो छोटे–मोटे नेताओं की बात कौन करे। समझना कठिन है कि भाजपा कर्नल सोफिया कुरैशी पर ओछी टिप्पणी करने वाले मध्य प्रदेश के अपने मंत्री विजय शाह का इस्तीफा लेने से क्यों बच रही है?यदि ऑपरेशन सिंदूर पर कथित आपत्तिजनक पोस्ट के कारण प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी जरूरी समझी गई तो विजय शाह और सपा नेता रामगोपाल यादव को क्यों बख्श दिया गया, जिन्होंने तीन सैन्य अफसरों के बहाने पीडीए की गिनती करने के साथ विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर जातिसूचक अपमानजनक टिप्पणी भी की।पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर अपने देश में पहले भी सस्ती राजनीति होती रही है। अभी दो दिन पहले लश्कर का जो आतंकी सैफुल्ला पाकिस्तान में मारा गया, यह वही है, जिसने भारत में तीन बड़े आतंकी हमले कराए थे। इनमें एक रामपुर के सीआरपीएफ कैंप पर किया गया था, जिसमें सात जवान बलिदान हुए थे। इस हमले में शामिल आतंकियों से मुकदमा वापस लेने की कोशिश सपा सरकार ने की थी। इसलिए की थी, क्योंकि 2012 में उसने वादा किया था कि हम सत्ता में आए तो बेगुनाहों को राहत देंगे।अखिलेश सरकार को आतंकी भी बेगुनाह नजर आए। सौभाग्य से सपा की कोशिश सफल नहीं हो सकी। बाद में इन आतंकियों को सजा हुई। इनमें पाकिस्तानी आतंकी भी थे। एक बार तो आतंकी वारदात का एक आरोपित कोर्ट–कचहरी आते–जाते लू लगने से मर गया तो सरकार ने पुलिस अधिकारियों पर उसकी हत्या का आरोप मढ़ दिया। यह भी न भूलें कि लश्कर की आतंकी इशरत जहां को किस तरह बिहार की बेटी कहा गया था और मुंबई हमले को आरएसएस की साजिश बताया गया था।जो भाजपा ऐसे कहने वाले दिग्विजय सिंह को खूब कोसती है, उसी ने पिछले लोकसभा चुनाव में ऐसे ही एक अन्य नेता को अपना प्रत्याशी बना दिया था। यह भी एक तथ्य है कि कश्मीर में पकड़े गए कई ऐसे आतंकी सद्भावना के नाम पर पाकिस्तान को सौंप दिए गए थे, जिन्होंने फिर कश्मीर में घुसपैठ कर आतंकी हमले किए।

पूरे मोर्चे में बदल चुका है आधा मोर्चा, भारत विरोधी गठजोड़ से चौकन्ना रहने की जरूरत

सुशांत सरीन। जनरल बिपिन रावत ने देश के समक्ष चुनौतियों का उल्लेख करते हुए जिस ढाई मोर्चे की बात की थी, उसकी ऑपरेशन सिंदूर के समय खूब चर्चा हुई, लेकिन इस आधे मोर्चे ने अब एक पूरे मोर्चे का रूप ले ले लिया है। यह सब जानते हैं कि पहले और दूसरे मोर्चे के रूप में पाकिस्तान और चीन हैं, लेकिन आधे से पूरा मोर्चा बन गए तीसरे मोर्चे की सच्चाई–गहराई से लोग अनजान ही अधिक हैं।इस मोर्चे में केवल अलगाववादी, माओवादी, खालिस्तानी और भारत को इस्लामी देश बनाने, गजवा–ए–हिंद करने का मुगालता पाले जिहादी और पाकिस्तान एवं चीनपरस्त तत्व ही नहीं हैं। इसमें राजनीति, सिविल सोसायटी, अकादमिक, बौद्धिक जगत के साथ मीडिया, इंटरनेट मीडिया में सक्रिय लोग भी हैं और मतांतरण कराने वाली ताकतें भी। इनकी पहुंच शासन–प्रशासन से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक है।इस मोर्चे में उन भारतीयों को भी गिनिए, जो विदेश में जा बसे हैं या फिर जो देश में ही रहकर अमेरिका, चीन या पाकिस्तान के एजेंडे की पैरवी खुले–छिपे ढंग से करते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के समय इस देशघाती मोर्चे के एक बड़े हिस्से को अच्छे से नियंत्रित किया गया। माओवादियों के सफाए का अभियान जारी रहा, जम्मू–कश्मीर में आतंकियों के खात्मे के साथ उनके समर्थकों की धरपकड़ होती रही। बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़ा गया। पाकिस्तान के लिए काम करने वाले तत्वों की गिरफ्तारी भी होती रही, जैसे यूट्यूबर ज्योति, गजाला, नोमान, अरमान, तारीफ, सुखप्रीत सिंह आदि। ऐसे लोगों की गिनती करना कठिन है।पहलगाम की भयावह आतंकी घटना के बाद भी देश में सांप्रदायिक बैर देखने को नहीं मिला। खुद कश्मीरी मुसलमान आतंक के खिलाफ खड़े हुए। देश भर में एकजुटता दिखी। ऑपरेशन सिंदूर से पस्त पाकिस्तान की सरकार, सेना और वहां के मीडिया ने झूठ–कपट के सहारे कश्मीरी मुसलमानों के साथ सिखों को उकसाने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रहा। ऑपरेशन सिंदूर एक तरह का युद्ध था। युद्ध के समय सूचना युद्ध से भी लड़ना होता है।भारत ने फर्जी और झूठी खबरों के खिलाफ तो लड़ाई करीब–करीब अच्छे से लड़ी, लेकिन विदेशी मीडिया के झूठे नैरेटिव की काट में पर्याप्त सक्षम नहीं रहा। न्यूयार्क टाइम्स, वाशिंगटन पोस्ट, टेलीग्राफ, द इकोनमिस्ट, साउथ चाइना मार्निंग पोस्ट, सीएनएन, बीबीसी, रायटर्स, ब्लूमबर्ग आदि के साथ पाकिस्तानपरस्त तुर्किये के टीआरटी और अलकायदा के भोंपू रहे कतर के अलजजीरा जैसे चौनल भारत के खिलाफ माहौल बनाते रहे। अब भी बना रहे हैं।इन्होंने बड़ी बेशर्मी से यह बताने की कोशिश की कि पाकिस्तानी सेना भारत पर भारी पड़ी। यदि ऐसा था तो वह अपने एयरबेस क्यों नहीं बचा पाई? न्यूयार्क टाइम्स, वाशिंगटन पोस्ट तबाह हुए पाकिस्तानी एयरबेस की सेटेलाइट इमेज देखकर मन मारकर यह लिखने को मजबूर तो हुए कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान को पस्त कर दिया, लेकिन उनके संग अधिकांश पश्चिमी मीडिया बिना प्रमाण यह ढोल बजाने से बाज नहीं आया कि भारत ने अपने विमान गंवा दिए।चलिए माना भी कि हमारे एक–दो विमानों ने नुकसान उठाया तो क्या यह सच नहीं कि हमारी सेनाओं ने पाकिस्तान को धूल चटाने के साथ तुर्किये एवं चीन के हथियारों और उनके डिफेंस सिस्टम की पोल खोल दी?यदि किसी निर्णायक मैच में कोहली या रोहित शर्मा के सस्ते में आउट होने के बाद भी भारत पाकिस्तानी गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाकर आसानी से जीत जाए तो क्या कोई यह हेडलाइन बनाएगा–पाकिस्तान के सामने नाकाम रहे विराट–रोहित। पश्चिमी मीडिया पाक–चीन को शर्मिंदगी से बचाने के लिए ऐसा ही कर रहा है।हम ऐसी खबरों की हेडलाइन तो देखते हैं, लेकिन खबर–लेख लिखने वाले की पड़ताल नहीं करते और यह सोचने लगते हैं कि ये सब कह रहे हैं तो कुछ तो सच होगा ही। यह हमारा मनोबल तोड़ने, संशय में डालने वाला साइकोलाजिकल वार है। हमें यह मानना होगा कि इसका सामना करने में हम अभी पूरी तरह सक्षम नहीं हो सके हैं।ऑपरेशन सिंदूर के समय पश्चिमी मीडिया में भारत विरोधी अधिकांश खबरें–लेख लिखने वाले पाकिस्तानी ही थे। इनके लिखे की फैक्ट चेकिंग तो दूर रही, पुष्टि भी नहीं की गई। नतीजा स्काई न्यूज पीटीवी के हवाले से और पीटीवी स्काई न्यूज के जरिये बता रहा था कि भारत के दो विमान मार गिराए गए। पश्चिमी मीडिया ने यह सर्कुलर गेम खूब खेला। वहां तमाम भारत विरोधी खबरें भारत को नापसंद करने वाले अमेरिकियों, यूरोपीयों के साथ भारतीय भी लिखते हैं।भारत विरोधी और वामपंथी एजेंडे वाली द इकोनमिस्ट का डिफेंस एडिटर एक भारतीय ही है, जो भारत को कमतर बताने में लगा रहा। देश–विदेश में ऐसे 'ब्राउन सिपाहियों' की कमी नहीं। इन्हें भारत का कुछ भी नहीं भाता है। इसका कारण वैचारिक कट्टरता, सनक भरे लिबरलिज्म के साथ भारत के प्रति दुराग्रह और व्यावसायिक हित भी हैं। पश्चिमी मीडिया की बात कौन करे, अपने कुछ अंग्रेजी अखबार चीन सरकार के विज्ञापन बिना किसी शर्म–संकोच छापते हैं। आखिर चीन या पश्चिमी देशों के पैसे पर पलने वाला देसी–विदेशी मीडिया भारत के हित की बात कैसे लिखेगा?भारत विरोधी मोर्चे का हिस्सा बना देसी–विदेशी मीडिया यह बताने को भी उतावला रहता है कि मोदी के पीएम बनने के बाद भारत में मुसलमानों पर आफत टूट पड़ी है। क्या वाकई? क्या वे भारत से भाग रहे हैं? बांग्लादेशी–रोहिंग्या तो घुसे चले आ रहे हैं और बड़े–बड़े वकील उन्हें देश में अच्छे से रहने–बसने देने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खुलवाने में सक्षम हैं। इससे इन्कार नहीं कि बड़ी आबादी वाले भारत में हिंदू–मुस्लिम के बीच बैर, तनाव, हिंसा की घटनाएं होती रहती हैं।कभी मुस्लिमों के साथ कुछ हिंदू गलत करते हैं और कभी कुछ मुस्लिम हिंदुओं के साथ, लेकिन क्या ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी आदि में मुस्लिम–ईसाई भाईचारे के तराने गाते रहते हैं? क्या वहां लोग 'नो गो जोन' से आजिज नहीं? सरकार के साथ समाज को यह समझना होगा कि इस भारत विरोधी बड़े गठजोड़ से चौकन्ना रहने की जरूरत बढ़ गई है।